मुहावरे

मुहावरे और उनके अर्थ

1. **आसमान से गिरे, खजूर में अटके**

   अर्थ: कठिनाई में पड़ना।

2. **बंदर क्या जाने अदरक का**

   अर्थ: किसी चीज़ की महत्वता न समझना।

3. **नाक कटना**

   अर्थ: अपमानित होना।

4. **घर का भेदी, लंका ढाए**

   अर्थ: अपने ही लोग नुकसान पहुँचाते हैं।

5. **दूध का दूध और पानी का पानी**

   अर्थ: सत्य को स्पष्ट करना।

6. **आगे की सोच**

   अर्थ: भविष्य की तैयारी।

7. **खुदा मेहरबान, तो गधा पहलवान**

   अर्थ: यदि भगवान साथ दे तो कोई भी मुश्किल आसान हो जाती है।

8. **तुलसी का पौधा**

   अर्थ: पवित्रता का प्रतीक।

9. **बात बनाना**

   अर्थ: किसी विषय को सुलझाना।

10. **सांप निकल जाने पर लाठी पेंकना**

    अर्थ: खतरे के बाद सुरक्षा को भुलाना।

11. **अंधे को क्या चाहिए, दो आंखें**

    अर्थ: आवश्यकता के अनुसार चीज़ें माँगना।

12. **लाखों में एक**

    अर्थ: विशेष या अनोखा।

13. **दिल के हाथों हार जाना**

    अर्थ: भावनाओं के आगे झुकना।

14. **नकेल डालना**

    अर्थ: नियंत्रण में लाना।

15. **दूर की सोच**

    अर्थ: भविष्य की योजना बनाना।

16. **आगे की ओर कदम बढ़ाना**

    अर्थ: प्रगति करना।

17. **खुद की चादर में पैर फैलाना**

    अर्थ: अपनी सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना।

18. **आगे बढ़ने की कोशिश करना**

    अर्थ: प्रगति की दिशा में प्रयास करना।

19. **खुद की बात को सही साबित करना**

    अर्थ: अपनी बातों का समर्थन करना।

20. **पानी-पानी होना**

    अर्थ: शर्मिंदगी का अनुभव करना।

21. **सिर पर हाथ रखना**

    अर्थ: किसी की देखभाल करना।

22. **आंखों में धूल झोंकना**

    अर्थ: धोखा देना।

23. **बात का बतंगड़ बनाना**

    अर्थ: छोटी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना।

24. **चोर की दाढ़ी में तिनका**

    अर्थ: दोषी को अपनी गलती का एहसास होना।

POSTALADDA

लोकोक्ति

1. **जैसी करनी, वैसी भरनी।**

   अर्थ: जैसे कर्म करेंगे, वैसा ही फल मिलेगा।

2. **दूर के ढोल सुहावने।**

   अर्थ: जो चीज़ दूर है, वो अधिक अच्छी लगती है।

3. **नौ नौ दिन चौरासी का।**

   अर्थ: बहुत जल्दी कुछ प्राप्त करना।

4. **न बांधो पिंजरे में, जो उड़ने वाला हो।**

   अर्थ: स्वतंत्र आत्मा को सीमित नहीं करना चाहिए।

5. **गाड़ी में सवार, फिर देखो क्या होता है।**

   अर्थ: कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना।

6. **सुनामी आने पर, हाथ से घड़ी निकालना।**

   अर्थ: संकट में अनावश्यक बातें करना।

7. **आम के आम, गुठलियों के दाम।**

   अर्थ: एक साथ दो लाभ प्राप्त करना।

8. **एक तीर से दो शिकार।**

   अर्थ: एक काम से दो लाभ प्राप्त करना।

9. **जब तक सूरज-चाँद रहेगा, तेरा नाम रहेगा।**

   अर्थ: यश हमेशा बना रहेगा।

10. **बंदर क्या जाने अदरक का।**

    अर्थ: जिसकी समझ न हो, वो महत्वपूर्ण चीज़ को नहीं समझ सकता।

11. **बातों का बुरा न मानना।**

    अर्थ: आलोचना को सहन करना।

12. **खुदा मेहरबान, तो गधा पहलवान।**

    अर्थ: अगर भगवान साथ दे, तो कुछ भी संभव है।

13. **एक हाथ से ताली नहीं बजती।**

    अर्थ: कोई कार्य अकेले नहीं किया जा सकता।

14. **जहाँ चाह, वहाँ राह।**

    अर्थ: अगर चाह हो, तो रास्ता मिल ही जाता है।

15. **दूर के ढोल सुहावने।**

    अर्थ: जो चीज़ दूर है, वह हमेशा अच्छी लगती है।

16. **खुद की चादर में पैर फैलाना।**

    अर्थ: अपनी सामर्थ्य के अनुसार काम करना।

17. **बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो।**

    अर्थ: नकारात्मक चीज़ों से दूर रहना।

18. **जो बोएगा, वो काटेगा।**

    अर्थ: कर्मों का फल हमेशा भोगना पड़ता है।

19. **नाच न जाने आंगन टेढ़ा।**

    अर्थ: अपनी कमी को दूसरों पर डालना।

20. **लंबी चौड़ी बातें।**

    अर्थ: अनावश्यक रूप से विस्तार में जाना।

21. **बातों की मिठास।**

    अर्थ: संवाद की सौम्यता।

22. **सपने देखने वालों का कोई नहीं।**

    अर्थ: जो सिर्फ सपने देखते हैं, उन्हें समर्थन नहीं मिलता।

23. **अंधे के हाथ बटेर लगना।**

    अर्थ: अनपेक्षित लाभ मिलना।

POSTALADDA

समनार्थक शब्द

समनार्थक शब्द वे शब्द होते हैं जिनका अर्थ समान होता है। ये शब्द भाषा की समृद्धि को बढ़ाते हैं और अभिव्यक्ति में विविधता लाते हैं।

महत्वपूर्ण समनार्थक शब्द

1. **आशा** - उम्मीद, प्रत्याशा
2. **अग्नि** - आग, ज्वाला
3. **अच्छा** - भला, उत्तम
4. **अधिकार** - हक, अधिकारिता
5. **अध्ययन** - अध्ययन, शोध
6. **अध्यापक** - शिक्षक, गुरु
7. **अभ्यास** - अभ्यास, साधना
8. **अभियान** - मुहिम, योजना
9. **आदमी** - मनुष्य, व्यक्ति
10. **आनंद** - खुशी, प्रसन्नता
11. **आश्रय** - आश्रय, shelter
12. **अंधकार** - अंधेरा, साया
13. **अंत** - समाप्ति, समापन
14. **अर्थ** - अर्थ, मूल्य
15. **अर्थशास्त्र** - अर्थिकी, वित्तशास्त्र
16. **अवसर** - मौका, मौका
17. **असली** - असली, मौलिक
18. **अवशेष** - बचा हुआ, remainder
19. **आग्रह** - अनुरोध, विनती
20. **आकर्षण** - आकर्षण, आकर्षकता
21. **इंद्रिय** - इन्द्रिय, senses
22. **उद्यम** - प्रयास, प्रयास
23. **उदास** - निराश, दुखी
24. **उपकार** - कृपा, सहायता
25. **उपयोग** - प्रयोग, इस्तेमाल
26. **उपयोगिता** - उपयोगिता, लाभ
27. **उत्सव** - पर्व, त्यौहार
28. **उपदेश** - शिक्षा, सलाह
29. **उच्च** - ऊँचा, उच्चतम
30. **कला** - कला, शिल्प
31. **कर्म** - कार्य, क्रिया
32. **कृपा** - दया, सहानुभूति
33. **कठिनाई** - कठिनाई, समस्या
34. **खुशी** - आनंद, प्रसन्नता
35. **गति** - गति, चाल
36. **गहरा** - गहरा, गहराई
37. **गृह** - घर, निवास
38. **घंटा** - समय, घंटे
39. **घेराबंदी** - घेराबंदी, रोक
40. **चाँद** - चन्द्रमा, तारे
41. **चिंता** - फिक्र, चिंता
42. **चौकसी** - सावधानी, सतर्कता
43. **जगह** - स्थान, स्थान
44. **जाति** - वर्ग, श्रेणी
45. **जागरूक** - सचेत, सूचनाशील
46. **जल्दी** - शीघ्रता, तत्परता
47. **जिन** - जिन्दा, जीवन्त
48. **झगड़ा** - विवाद, संघर्ष
49. **जिम्मेदारी** - उत्तरदायित्व, दायित्व
50. **जोश** - उत्साह, उत्साह
51. **ताजा** - ताज़गी, नवीन

POSTALADDA

अपठित गद्यांश

अपठित गद्यांश एक ऐसा पाठ है जिसे पढ़कर छात्रों को उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। यह शिक्षण प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो विद्यार्थियों की पाठ समझने, विश्लेषण करने और अभिव्यक्ति की क्षमता का परीक्षण करता है। अपठित गद्यांश का मुख्य उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी पढ़ी गई सामग्री को कितनी अच्छी तरह समझते हैं और उसे अपनी शब्दावली में कैसे व्यक्त करते हैं।

अपठित गद्यांश के मुख्य बिंदु

1. **पठन कौशल**: गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ना आवश्यक है।
2. **मुख्य विचार**: गद्यांश के मुख्य विचार और तर्कों की पहचान करना।
3. **संदेश**: लेखक क्या संदेश देना चाहता है, इसे समझना।
4. **प्रश्नों के उत्तर**: गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर देना।

उदाहरण गद्यांश

गद्यांश 1: शिक्षा का महत्व

शिक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होती है। एक शिक्षित व्यक्ति समाज में अधिक सम्मान पाता है और उसके विचारों का महत्व होता है। शिक्षा से व्यक्ति में सोचने और समझने की क्षमता बढ़ती है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में, शिक्षा का महत्व और भी बढ़ गया है।

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हमें केवल ज्ञान की प्राप्ति नहीं करनी चाहिए, बल्कि अपने ज्ञान का उपयोग भी करना चाहिए। शिक्षा एक ऐसा उपकरण है जो हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है।

POSTALADDA

सारांश लिखने की कला

सारांश किसी भी पाठ, लेख, या विषय का संक्षिप्त और स्पष्ट रूप है। इसका मुख्य उद्देश्य मूल विचारों को संक्षेप में प्रस्तुत करना होता है, जिससे पाठक को बिना पूरी सामग्री पढ़े, उसके महत्वपूर्ण पहलुओं का ज्ञान प्राप्त हो सके। सारांश लिखने की प्रक्रिया में निम्नलिखित बिंदुओं का ध्यान रखना आवश्यक है:

1. **मुख्य विचार को समझें:** लेख का मुख्य उद्देश्य क्या है?
2. **उपमुख्य बिंदुओं का चयन:** पाठ में दिए गए महत्वपूर्ण तर्क और विचार।
3. **संक्षिप्तता:** सारांश को संक्षेप में रखना और अव्यक्त रूप से प्रस्तुत करना।
4. **लेखन शैली:** सरल और स्पष्ट भाषा में लिखें।

उदाहरण 1: पर्यावरण संरक्षण

आज के समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मानव ने अपने विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है, जिससे जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और प्रदूषण जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं।

पर्यावरण संरक्षण का अर्थ है प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और उनके संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करना। इसके लिए वृक्षारोपण, जल संरक्षण, और पुनर्चक्रण जैसी गतिविधियों में भाग लेना आवश्यक है। हमारे छोटे-छोटे कदम, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग और ऊर्जा की बचत, पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं।

सारांश

पर्यावरण संरक्षण मानवता की वर्तमान आवश्यकता है। विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग और उनके दोहन से जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। हमें वृक्षारोपण, जल संरक्षण, और पुनर्चक्रण के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। छोटे कदम जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग करना, पर्यावरण संरक्षण में सहायक हो सकते हैं।

POSTALADDA